had stood by with what there respective stand in Cancum was. Therefore, now, that activity has temporarily come to a lull or a standstill because of the vacation period. After that, sometimes in January, some of the issues would again be referred back to the various groups in Geneva, which would discuss those issues, and from there, it would start. The important question would be: Will we be able to meet the timetable of 1st January, 2005 for implementation of some of the major decisions of Doha? We do hope that it is possible because implementation of the development agenda is in our interest. But with the kind of divergent stands, today for us to categorically believe that that would be possible—even though we hope that it is possible—perhaps, I cannot say for certainly what would really happen. But, even when we express our disappointment that we could not produce a result and we said that the Cancun itself had failed, but I am still constrained to believe that G-20 did not fail, the stand of the developing countries did not fail. Therefore, Cancun marked a changing process where there was a singificant say which the developing countries have acquired in the multilateral process, and we do hope that the richer countries are able to recognise the shift in the decision-making process which has also taken place. Thank you, Madam.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION OF CHAIR—RE ATTACK ON THE OFFICES OF ZEE AND ALFA NEWS IN MUMBAI

श्री लालू प्रसाद (बिहार): उपसभापति महोदया, 'जी' टीवी के साथ जो दुर्व्यवहार हुआ, पिटाई हुई, होम मिनिस्टर साहब को जानकारी देने के लिए कहा जाए। चूंकि यह विषय उनके विभाग से संबंधित है, इसलिए उनको बुला लिया जाए। हम लोग उनको सुनना चाहते हैं कि वे क्या एक्शन करने जा रहे हैं। ...(व्यवधान)... हम आदर करते हैं इनका, लेकिन 'जी' टीवी के साथ जो हुआ है, यह मामला होम से संबंधित है। यह मुम्बई में 'जी' टीवी के साथ इतना हुआ, महिलाओं को पीटा गया, और वहां कितनी सारी बातें हुईं, तो यह कैसे चलेगा? देश कैसे चलेगा? मैडम, देश टूट रहा है। कल भी उधर शिव सेना ने तोड़-फोड़ की और आज फिर यह बात हो रही है। आप होम मिनिस्टर साहब को बुला लीजिए। फाइनेन्स मिनिस्टर साहब को इसमें बीच में क्यों डाल रहे हैं? होम मिनिस्टर साहब को यहां रहना चाहिए, उनको बुला लीजिए। हम लोग उन्हें सुनना चाहते हैं।

उपसभापति: यह सरकार पर डिपेंड करेगा कि वह किसको कहे कि वह मंत्री बोल दें।

श्री लालू प्रसाद: नहीं, मैडम। हम सरकार से मांग करेंगे, होम मिनिस्टर साहब को यहां रहना चाहिए और यहां आकर बात करनी चाहिए। आप उन्हें बुला लीजिए। हमें बताया जाए कि मीडिया पर यह कैसे चारों तरफ हमला हो रहा है। बिहारियों पर तो हो ही रहा था, मीडिया के ऊपर भी शुरू

हो गया। **THE LEADER OF THE HOUSE (SHRI JASWANT SINGH)**: Madam, before I take the reply to the discussion on the fake stamp paper scam

एक तो माननीय लालू प्रसाद जी ने विषय उठाया। दूसरा, मुझे बताया गया है कि अनएंपलायमेंट पर चर्चा माननीय सदस्य करना चाहते थे, लेकिन जो हमारे मंत्री हैं, लेबर मंत्री, वे दूसरे सदन में इसी चर्चा में लगे हुए हैं। इसलिए अगर आप इजाजत दें और सदन चाहे तो यह चर्चा अगले सत्र के लिए रखी जाए।

श्री लालू प्रसाद: नहीं, बेरोजगारी वाली चर्चा तो रखी ही जाए।

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश): महोदया, मैं सदन के नेता का बहुत अदब करता हूं और सदन के नेता इस बात को प्रमाणित करेंगे कि बिजनेस एडवायजरी कमेटी में यह जानते हुए भी कि लोकसभा में आज ही के दिन यह चर्चा लिस्टेड है फिर भी आज ही के दिन के लिए यह अनएंपलायमेंट सिचुएशन पर चर्चा यहां भी लिस्टेड की गई। दूसरी बात, पिछले सेशन में भी यह चर्चा आलरेडी एडमिटेड थी, मैं कोई आरोप नहीं लगा रहा, लेकिन इससे इस आशंका की पुष्टि हो रही है कि बारंबार सरकार इस चर्चा से कतराती आई है क्योंकि पिछले सत्र में भी यह आलरेडी एडमिटेड थी और एडमिटेड होने के बाद भी चर्चा नहीं हो पाई।

महोदया, चैम्बर में हुई बात का जिक्र नहीं किया जा सकता इसलिए मैं उसका जिक्र नहीं करना चाहता, लेकिन इस बात को मैं बड़े अदब के साथ हाऊस की प्रोसीडिंग को आधार बनाते हुए कहना चाहता हूं कि अरुण जेटली साहब के वक्तव्य के ऊपर क्लैरीफिकेशन की बात सदन के उठने से पहले कही गई थी, यद्यपि ऑर्डर-पेपर में यह जरूर पहले थी। इसलिए लगता है कि जानबूझकर यह कोशिश की जा रही है कि बेरोजगारी की समस्या पर, जिससे हिंदुस्तान का आम आदमी और नौजवान प्रभावित हो रहा है उस पर चर्चा न हो पाए और इसलिए बारंबार इसमें डिले किया जा रहा है।

महोदया, मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहूंगा कि आज सत्र का आखिरी दिन है और आखिरी दिन में जो एक परंपरा अपनाई जाती है उसमें सदन के नेता को भी भाषण देना होता है, विपक्ष के नेता को भी भाषण देना होता है, उन्हें भी यहां मौजूद होना ही पड़ेगा। यह बात पहले भी उठी थी कि माननीय श्रम मंत्री जी उस सदन में हैं और बेरोजगारी की समस्या पर वहां चर्चा हो रही है। इस सदन की परंपरा पहले रही है कि अगर उस विभाग से संबंधित मंत्री यहां मौजूद नहीं रहते तो अन्य मंत्री पाइंट्स नोट करते रहे हैं, तो वे नोट कर लें। चर्चा का जवाब देने के लिए मंत्री जी आ जाएं, उसमें किसी को कोई एतराज नहीं होगा। यह बहुत अहम मसला है और इस चर्चा के लिए सबकी सहमति हुई थी, इसलिए मैं आपसे अनुरोध करना चाहूंगा कि बेरोजगारी की समस्या पर आज ही चर्चा की जाए। धन्यवाद।

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया (झारखंड): उपसभापति महोदया, मेरे विद्वान दोस्त श्री सुरेश पचौरी जी ने जो बात रखी है कि बी॰एन॰सी॰ को पता था कि उस सदन में भी चर्चा हो रही है, ऐसी बात नहीं है। यह सत्य से परे है। ..(**व्यवधान**)..

श्री सुरेश पचौरी: संसदीय कार्य मंत्री को यह पता था। ..(**व्यवधान**).. रिकार्ड में देखा जाए, संसदीय कार्य मंत्री ने यह कहा था कि बेरोजगारी की समस्या पर 23 तारीख को लोक सभा में डिस्कशन हो रहा है। रिकार्ड में देख लिया जाए। ..(**व्यवधान**)..

श्री पृथ्वीराज चव्हाण (महाराष्ट्र): इतना इम्पोर्टेंट विषय न छोड़ा जाए। ..(**व्यवधान**)..

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: बात यह है कि अन-ऐम्प्लॉयमेंट पर चर्चा करना बहुत जरूरी है ..(**व्यवधान**)..

श्री मूल चन्द मीणा (राजस्थान): इससे कोई संबंध नहीं है कि पता था या नहीं था, लेकिन अन-ऐम्प्लॉयमेंट पर चर्चा होनी चाहिए। ..(**व्यवधान**).. यह इतना इम्पोर्टेंट विषय है, इसको न छोड़ा जाए। ..(**व्यवधान**)..

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: अन-ऐम्प्लॉयमेंट या जेनेरेशन आफ ऐम्प्लॉयमेंट पर चर्चा होनी बहुत जरूरी है लेकिन उससे भी जरूरी चीज है चर्चा करने के लिए जनसंख्या वृद्धि। जनसंख्या वृद्धि पर भी चर्चा होनी चाहिए। ..(**व्यवधान**)..

श्री सुरेश पचौरी: उस पर भी चर्चा कराइए। आज ही बैठते हैं, आज ही कराइए। ..(**व्यवधान**)..

श्री मूल चन्द मीणा: उस पर भी चर्चा आज की करिए। ..(**व्यवधान**).. जनसंख्या वृद्धि बहुत बड़ा प्रश्न है। ..(**व्यवधान**)..

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: मेरी बात तो सुन लीजिए। ..(**व्यवधान**)..

श्री पृथ्वीराज चव्हाण: उस पर भी करिए, आज ही करिए। ..(**व्यवधान**)..

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: आप आरोप लगा रहे हो कि हम चर्चा के लिए तैयार नहीं हैं, हम चर्चा के लिए तैयार हैं। आप रात 1:00 बजे तक बैठकर चर्चा करिए, हम तैयार हैं बैठेंगे। करिए, चर्चा करिए। ..(**व्यवधान**).. किन्तु सरकार इस सदन में चर्चा से भाग रही है, उस सदन में नहीं भाग रही है। ..(**व्यवधान**).. उन्हें आपसे ज्यादा डर लगता है क्या? ..(**व्यवधान**)..

THE DEPUTY CHAIRMAN: I don't understand what is the argument about. (*Interruptions*)

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: इस तरह के असत्य आरोप लगाना ठीक नहीं है। ..(व्यवधान).. अगर सरकार नहीं चाहती तो उस सदन में इस पर क्यों चर्चा कर रही है? ..(व्यवधान)..

श्री सुरेश पचौरी: सुबह से यही चक्कर चल रहा है। ..(व्यवधान).. सुबह से खानापूर्ति चल रही है। आप मेरे मुंह से सुनना चाहते हैं। यह हम लोगों को कन्वे किया गया है कि इस चर्चा को आगे बढ़ा दिया जाए, मान जाइए। ..(व्यवधान).. इसका क्या अर्थ हो सकता है? ..(व्यवधान)..

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: किसने चर्चा की ऐसी?

श्री सुरेश पचौरी: राजगोपाल जी ने की और आपने भी की। ....(व्यवधान).... अगर आप सच्ची बात सुनना चाहते हैं तो उसे सुनने का साहस भी रखिए। ...(व्यवधान)..

युवक कार्यक्रम और खेल मंत्री (श्री विक्रम वर्मा): इसका उल्लेख कभी सदन में नहीं होता।. .(व्यवधान).. सदन चलाने के बारे में जो चर्चा होती है, इसका जिक्र कभी सदन में नहीं होता है। ...(व्यवधान)..

श्री सुरेश पचौरी: चूंकि मेरे को कहा जा रहा है कि आप असत्य बोल रहे हैं, इसलिए मुझे सत्यता को साबित करने के लिए यह कहने को मजबूर होना पड़ा। ...(व्यवधान)..

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: आप कौन सा तीर चलाने वाले हैं जिससे मैं ज़ख्मी हो जाऊंगा। ...(व्यवधान).. कैसी बात कर रहे हैं। ...(व्यवधान)..

उपसभापति: अहलुवालिया जी, जरा बैठिए, जसवंत सिंह जी कुछ कह रहे हैं।

श्री जसवंत सिंह: ऐसी बात नहीं है। आप क्यों ज़ख्मी होते हो, मैं ज़ख्मी हो जाता हूं।

उपसभापति महोदया, गीता में एक जगह है--क्रोध से विवेक नष्ट होता है। जब हमारे सुरेन्द्र सिंह जी ने कहा--मेरे विद्वान मित्र, तो मैं तो यह मानकर चलता हूं कि आपको तो इन सारी बातों का ज्ञान है फिर काहे को क्रोध करते हो। यह व्यवहारिता का प्रश्न है। हमको चर्चा से कोई परहेज़ नहीं है। व्यवहारिक बात कीजिए, 5:30 बजने को आए हैं। सत्र का अंतिम दिन है। हम तो सदन के नौकर हैं, आप जैसा हुक्म देंगे, हम करेंगे परन्तु व्यवहारिकता के नाते अगर इसको अगले सत्र के लिए रख दिया जाए तो इसमें कोई आपति नहीं होनी चाहिए। यही मुझे निवेदन करना था।

SHRI PRANAB MUKHERJEE (West Bengal): Madam, I would like to make a submission. Today is the concluding day. We can, if the Leader of the House agrees, Mr. Suresh Pachouri, in whose name the motion is listed, can initiate the discussion. The discussion need not be conclusive.

If you agree, with the approval of the House, this can spill over to the next session. After Suresh Pachouri completes his speech, the Leader of the House can reply to the debate and thereafter, other formalities can follow and we can discuss this on the first day of the next Session. But, as there is a procedural angle, it will have to be the consensus of the House.

SHRI JASWANT SINGH: Madam, I am sure the rest of the House will also agree.

THE DEPUTY CHAIRMAN; I want to put the record straight. This is listed today, it could have been taken up two hours earlier; but, as the discussion on the Constitutional Amendment, which was to finish in half-an-hour, took two-and-a-half to three hours. So, every business got derailed and delayed. There is a spill over. From the side of the Chair, there is no hesitation in continuing with this discussion. As the Shrot Duration Discussion was listed after the clarification, that is why we took the clarification first and the reply can be after the Short Duration Discussion. This is the paper which I have on my table that is it. बोलिए लालू जी, आपको क्या कहना है।

श्री लालू प्रसाद: मैडम, मेरा यह है कि अभी तो साढ़े पांच बजे हैं तथा आज इस सत्र का अंतिम दिन है। बेरोजगारी की बहुत एलार्मिंग सिचुएशन है। बिहार के लोग विक्टिम हो रहे हैं। महोदया, यह सवाल यहां नहीं उठाया जाएगा तो कहां उठेगा। इसलिए पचौरी जी बोल लें और इसके बाद हम छोटे-छोटे दल वाले दो-तीन आदमी और बोल लें। फिर आप एडजोर्न कर दीजिए या जो करना है सो करिए। इसलिए हम चाहते हैं कि हम लोग इसमें बोल लें।

श्री मूल चन्द मीणा: इसमें उड़ीसा, राजस्थान वगैरह भी है।

श्री लालू प्रसाद: हां, सारा है। सरकार की तरफ से बोलना होगा या अन्य पार्टियों को बोलना होगा तो अगले सत्र में बोलें। अब हम लोगों का सुन लीजिए।

SHRI MANOJ BHATTACHARYA (WEST BENGAL): Madam, this is a very serious issue and we should have sincere discussion on this. It should not become a ritual. In the past we discussed this sort of issues with utmost sincerity but the message has not been noted. Or, the Government has preferred to act in a reverse manner. So, the problem has accentuated. So, therefore, my submission, with all humility, to you is that there should be a full-fledged and thorough discussion on the subject because the situation in the country is worsening.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, we have to think about it. We cannot eat the cake and have it too. So, what do you want? Do you want to have what Mr. Pranab Mukherjee has suggested? Mr. Suresh Pachouri, अगर आप एक सेकेंड रुक जाएंगे तो मेरी पूरी बात हो जाएगी तो कन्फ्यूजन कम हो जाएगा If you want, I can take it up. Mr. Suresh Pachouri, in whose name the Short DurationDiscussionis listed, will initiate it. If I allow a few people, then, everybody will have to speak because we cannot have discrimination against any one.

श्री लालू प्रसाद: हम लोगों का छोटा दल है।

उपसभापति: छोटे-बड़े की बात नहीं है, लालू जी। सब की आपकी महत्तता तो है ही इस हाऊस में। सवाल यह है कि सब को करना है या खाली एक प्रोसीजर बनाना है कि सुरेश पचौरी जी मूव कर दें जैसे प्रणब मुखर्जी साहब ने कहा है कि हाऊस की कंसेंट लेकर इस पर नेक्स्ट सत्र में विस्तार से चर्चा हो और फिर उसका जवाब हो। वह भी हो सकता है। अगर आप सब बोलना चाहते हैं and you want that the reply should come, we are prepared to sit here. No problem. We can do it. But, first let us decide so that the Chair can follow the procedure. There should be no confusion.

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI (Tamil Nadu): Madam, we agree with the observation made by Honourable Pranab Mukherjee.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let everybody agree to it.

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: Let Mr. Pachouri initiate the discussion and it can be spilled over to the next Session ...(*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: The mover, Mr. Pachouri will speak ...(*Interruptions*)... Now, there is some dissent behind you. There is a dissent there.

श्री लालू प्रसाद: मैडम छोटे दलों का तो आज करा ही दीजिए।

प्रो॰ राम देव भंडारी (बिहार): मैडम लालू जी भी बोलना चाहेंगे।

उपसभापति: लालू जी, फिर सब बोलेंगे।

श्री लालू प्रसाद: मैडम, नहीं तो हम बीच में बहुत टोका-टोकी करेंगे। हम लोगों के छोटे दल को आज सुन लीजिए हम लोगों की बात को।

उपसभापति: टोका-टोकी आप करेंगे तो आप जानें वे जानें।

SHRI PRANAB MUKHERJEE: In that case, we can have a full-fledged discussion ...(*Interruption*)... We can have a two-and-a-half hour discussion ...(*Interruptions*)

SHRI MANOJ BHATTACHARYA: I entirely agree with him.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Okay. We can have a full-fledged discussion.

श्री सुरेश पचौरी: आदरणीय उपसभापति महोदया,

THE DEPUTY CHAIRMAN: Then, we will have to abide by the time.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Madam, normally, two-and-a-half hours is allotted for the Short Duration Discussion. Let us have two-and-a-half hour discussion. *You distribute the time according to the strength of* each party.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Exactly. That is what I am saying. Two-and-a-half hours will be allotted and I will, strictly, abide by the time. Everbody should agree with it. आपकी पार्टी के चालीस मिनट है, उसमें से दो लोग हैं। मैंने लिखे हुए हैं।

श्री लालू प्रसाद: मैडम, "जी" टी०वी० के साथ जो हुआ है उस पर होम मिनिस्टर साहब को बुलवाकर और क्या कार्रवाई हुई है और जिसके साथ मारकाट हुआ है उस पर तो बोलवा लीजिए पहले।

उपसभापति: लालू जी, अब आप एक बात कहते हैं फिर दूसरी बात बोलते हैं। इनका शुरू करूं या वह करूं।

श्री लालू प्रसाद: वह बीच में तो हो जाएगा।

उपसभापति: फिर बीच में टाइम बहुत जाएगा। इसलिए यह हो जाने दीजिए। शुरू तो होने चाहिए।

SHORT DURATION DISCUSSION
THE UNEMPLOYMENT PROBLEM IN THE COUNTRY

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश): उपसभापति महोदया, किसी भी देश की तरुणाई उस राष्ट्र की प्रमुख शक्ति हुआ करती है। विश्व के इतिहास में जितने भी परिवर्तन हुए हैं, उनमें नौजवानों का प्रमुख योगदान रहा है। जब किसी देश के नौजवान निराश और हताश हुआ करते हैं तो उस देश की